Regarding Mahananda river basin in Bihar

डॉ. मोहम्मद जावेद (किशनगंज) : मैडम, महानन्दा बेसिन हेतु मैं रिक्वेस्ट करने के लिए खड़ा हुआ हूं । यह मसला मैंने कई मर्तबा उठाया । हर साल हमारी हजारों एकड़ जमीन, घर बर्बाद हो जाते हैं, गांव बह जाते हैं । मेरा आपके माध्यम से आग्रह है खासकर महानंदा, कनकई, मेथी, डोंक, परमान नदी के किनारे तटबंद होना चाहिए । मैंने अनुरोध किया था कि जहां तक फ्लो है, उसके 10 मीटर अंदर तक ज्यादा जमीन न ली जाए, क्योंकि वहां जमीन की किल्लत है । 10 मीटर से दूर आप कंक्रीट वॉल बनवाएं, या बोल्डर पिचिंग कराएं । वार्षिक ड्रेजिंग जरूरी है । अन्यथा बहाव ज्यादा हो जाता है, जिससे वह ओवर स्पिल कर जाएगा और लेक्स बनेंगी, जिसकी वजह से नुकसान होगा ।

मैडम, इसके अलावा सीमांचल फ्लड टास्क फोर्स बनाना जरूरी है, क्योंकि यह लगभग 3 से 4 करोड़ लोगों को इफेक्ट करता है और वाटर क्राइसेस हेल्पलाइन होनी चाहिए । इसके साथ ही साथ जो रोक लगी है है, खासकर एमयू जमीन पर, उसे क्लीयर करना चाहिए । धन्यवाद ।

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, श्री मनसुख भाई जी, - उपस्थित नहीं